



# भारत का राजपत्र

# The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 785]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 10, 2016/कार्तिक 19, 1938

No. 785]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 10, 2016/KARTIKA 19, 1938

**वित्त मंत्रालय**

(राजस्व विभाग)

**शुद्धिपत्र**

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 2016

**सा.का.नि. 1060 (अ)** .—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं. 38/2016 सेवा कर, दिनांक 30 अगस्त, 2016, जिसे सा.का.नि. 835 (अ), दिनांक 30 अगस्त, 2016 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में प्रकाशित किया गया था, में—

- (i) पेज 1 पर, बारहवें लाइन में, “5” को “6” के रूप में पढ़ा जाएगा;
- (ii) पेज 1 पर, सारणी में, स्तंभ 1 में, “5 क” को “6 क” के रूप में पढ़ा जाएगा;
- (iii) पेज 2 पर, दूसरी लाइन में, “सारणी के क्रम सं.5 क” को “सारणी के क्रम सं.6 क” के रूप में पढ़ा जाएगा।

[फा. सं. 354/226/2013 टी आर यू (भाग -1)]

अनुराग सहगल, अवर सचिव,

**MINISTRY OF FINANCE****(Department of Revenue)****CORRIGENDUM**New Delhi, the 10<sup>th</sup> November, 2016

**G.S.R.1060 (E).**—In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 38/2016-Service Tax, dated the 30<sup>th</sup> August, 2016 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R. 835 (E), dated the 30<sup>th</sup> August, 2016, at page 2,-

- (i) in line 23, *for “5” read “6”;*
- (ii) in the TABLE, in column 1, *for “5A” read “6A”;*
- (iii) in line 31, *for “5A of the TABLE” read “6A of the TABLE”.*

[F. No. 354/226/2013 –TRU (Pt.-I)]

ANURAG SEHGAL, Under Secy.